

- वर्तमानः, Ku. iv. 33. Ph. : *I have come such a long w.* : एतावती भूमिमायातः, K. ; *this w. your majesty* : इतो इतो देवी, V. ii. ; *did you not see (meet) the Queen on the w.* : न खल्वन्तरे त्वया दृष्टा देवी, Sa. vi. ; *make w.* : अन्तरमन्तरम्, Mr. x. ; *which w. is the wretch gone* : कतमेन दिग्वि-
मागेन गतः स जालम् ? V. i. ; *right of w.* : गमनाधि-
कारः. II. Device : q.v. : उपायः. III. Manner,
method : q.v. : प्रकारः. Miscell. : *in two,*
three, many w.s : द्विधा, त्रिधा, बहुधा ; *by w. of*
illustration : निदर्शनरूपेण.
- WAYFARER : (1) पथिकः ; (2) अन्वनीनः ; (3)
अन्वन्यः ; (4) अध्वगः.
- WAYLAY : पथि अवस्कन्दते (स्कन्द, c. 1.=attack :
q.v.) or निभृतं प्रतीक्षते (ईक्ष, c. 1.=wait :
q.v.).
- WAYSIDE : expr. by comp., *w. trees* : मार्गशाखिनः
R. i. 45. : v. Border.
- WAYWARD : प्रतीप (f. पा) : v. Perverse, wil-
ful, forward.
- WAYWORN : (1) अध्वश्रान्त (f. न्ता) ; (2) अध्वना
परिह्रान्त (f. न्ता), Ki. xi. 2. ; and sim.
comp.s.
- WE : वयम्. Ph. : *here are we* : इमे स्मः, Sa.
iv.
- WEAK : (1) दुर्बल (f. ला), *the strong would have*
roasted the w. : अपद्यन् दुर्बलान् बलवत्तराः, M. vii.
20. ; *w. digestion* : दुर्बलोऽग्निः, Bha. ; (2) अबल
(f. ला), *eating their own w. brothers* : अबलस्व-
कुलाशिनः, N. ii. 10. ; (3) बलहीन (f. ना), S. ; (4)
क्षीणबल (f. ला), Bha. ; and sim. comp.s. : v.
Also feeble, slender, decay. Ph. : *w. point* :
दोषः (fault : q.v.), छिद्रम् (=hole : q.v.).
- WEAKEN : (1) दुर्बलीकरोति ; (2) बलक्षयं करोति
(with gen.) ; (3) बलं हरति (हृ, c. 1.=remove :
q.v.) or क्षिणोति (क्षि, c. 5.=waste : q.v.).
- WEAKLY : I. Adj. : क्षीणबल (f. ला) : v. Weak.
II. Adv. : (1) दुर्बलम् ; (2) by adj. or cir-
cumlo. : v. Also in vain.
- WEAKNESS : I. In gen. : (1) दुर्बलता, -त्वम् or
दौर्बल्यम्, *w. of a king* : दौर्बल्यं राज्ञः, M. viii.
171. ; *w. of the senses* : इन्द्रियाणां दौर्बल्यम्,
Bha. ; (2) अबल (rare), *strength and w. of the*
enemy : अमित्रबलाबलम्, M. n. on Si. ii. 36. ;
(3) बलहीनता and sim. deriv. s. II. Foible,
fault : q.v. : व्यसनम्.
- WEAL : I. Welfare, happiness : q.v. : क्षेमम्.
Ph. : *for the public w.* : प्रकृतिहिताय, Sa. vii.
II. Mark of a blow : क्षतचिह्नम्.
- WEALTH : I. Riches : (1) धनम् (=pro. money),
what is the use of w. (to one) who does not give,
does not eat : धनेन किं यो न ददाति नाश्नुते, H. ;
(2) वसु (n.=1), *not only the w. of the monarch* :
वसु तस्य विमोर्न केवलम्, R. ; (3) विभवः ; (4)
वैभवम् ; (5) ऐश्वर्यम् ; (6) सम्पत्तिः (=property) ;
(7) वित्तम् (=1). II. Prosperity : q.v.
- WEALTHY : महाधन (f. ना) : v. Rich.
- WEAN : I. Lit. : स्तन्यं त्याजयति, परि- (c. of
त्यज्) or हापयति, परि- (c. of हा) or विसर्जयति
(c. of सर्ज्). II. Fig. : वियोजयति (युज्, c. 10)
or विघटयति (घट्, c. 10.) : v. To separate.
- WEAPON : (1) शस्त्रम्, *when victory was not inter-*
cepted by w.s : शस्त्रैरव्यधीयमानविजयः, Vi. v. 51. ;
(2) अस्त्रम् (properly a missile), *various w.* :
विविधमस्त्रम्, Ki. xviii. 46. ; (3) आयुधम् ; (4)
प्रहरणम् ; (5) हेतिः (rare).
- WEAR (subs.) : I. Waste : q.v. : क्षयः, परि-
अव-. II. Dress : q.v. : वासस् (n.). III. Dam :
बन्धः.
- WEAR (v.t.) : I. To put on : q.v. : धरति or
धारयति (धृ, c. 1. and 10), *ornaments worn by*
women during the life-time of their husbands :
पत्यौ जीवति यः स्त्रीमिरलङ्कारो धृतो भवेत्, Mit. ;
clothes etc., worn by a father : पितृधृतं वस्त्रादिकम्,
Mit. Ph. : *w.ing apparel* : परिधानवासस्, (n.)
and sim. comp.s. II. To impair : क्षिणोति
(क्षि, c. 5.) : v. Waste.
- WEAR (v.t.) : क्षीयते (pass. of क्षि) : v. To
waste.
- WEAR OFF : (1) नश्यति (नश्, c. 4.) : v. Des-
troy ; (2) अपगच्छति (गम्, c. 1.) : v. To
go away.
- WEAR OUT : I. By use : (1) जीर्णीकरोति ; (2)
जर्जरीकरोति. II. Intrans. : जीर्यति, परि- (जृ, c.
4.) ; (2) जीर्णीभवति ; (3) जर्जरीभवति. III. To
fatigue, tire : q.v. : सादयति, अव- (c. of सद्).